श्री हनुमान जन्मोत्सव पर्व पर विद्याधर नगर में श्री पापड़ वाले हनुमान मंदिर में हजारों राम भक्तों ने हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ किया। महामंडलेश्वर स्वामी श्री श्री 1008 श्री रामसेवक दास जी महाराज एवं अंतरराष्ट्रीय हनुमान चालीसा वादक श्री अमरनाथ जी महाराज के सानिध्य में हनुमान जन्मोत्सव का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम संयोजक दिनेश मित्तल ने बताया कि, कार्यक्रम में भव्य आतिशबाजी, फूलों की बारिश, महिला टीम द्वारा राम भक्तों को गुलाल का तिलक एवं जय श्री राम का दुपट्टा पहनाया गया। इस अवसर पर श्री पापड़ वाले हनुमान मंदिर को आकर्षक लाइटिंग और जय श्री राम के ध्वजों से सजाया गया। हनुमान चालीसा के बाद हनुमान जी की महा आरती हुई। कार्यक्रम में बालाजी को 21,000 देसी घी के लड्डुओं का भोग लगाकर भक्तों में वितरित किया गया। माना जा रहा है कि, जयपुर के इतिहास में सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ का यह एक रिकॉर्ड है।

राजस्थान राजस्व सेवा परिषद ने सरकार को चेताया

समझौता पत्र पर अमल नहीं हुआ तो राजस्व सेवा परिषद के तहत पटवारी, तहसीलदार और कानूनगो उतरेंगे आंदोलन की राह पर

जयपुर, 6 अप्रेल (का.प्र.)। सरकार की ओर से किए पिछले समझौते की पालना नहीं करने को लेकर अब राजस्थान राजस्व सेवा परिषद ने सरकार को चेतावनी दी है कि यदि सरकार की ओर से पूर्व में किए गए समझौते पर शीघ्र अमल नहीं किया गया, तो 15 दिन बाद राजस्व सेवा परिषद के तीनों संगठन आंदोलन पर उतर आएंगे और इसकी पूरी जिम्मेदारी सरकार की होगी।

राजस्थान पटवार संघ के अध्यक्ष नरेंद्र कविया, कानूनगो संघ के अध्यक्ष सुरेश पाल सिंह और राजस्थान तहसीलदार सेवा परिषद के अध्यक्ष विमलेंद्र सिंह राणावत ने कहा कि सरकार ने पूर्व में जब शिविर लगाए थे,

- **समझौते पर अमल के लिए सरकार को 15 दिन दिए।**

तब हमने संवेदनशीलता दिखाते हुए सरकार की ओर से किए गए समझौते पर विश्वास करके आंदोलन समाप्त कर सरकार का सहयोग किया था। अब समझौते के 2 साल पूरे हो जाने के बावजूद अभी तक उसकी पालना नहीं हुई है, ऐसे में अब हमें फिर से संघर्ष के लिए सड़कों पर आना होगा। राजस्थान पटवार संघ के अध्यक्ष नरेंद्र कविया ने प्रमुख मांग बताते हुए कहा कि समझौते के अनुरूप पटवारी पद को तकनीकी पद घोषित करते हुए पटवारी पद का वेतनमान एल-8 (ग्रेड-पे 2800) निर्धारित किया जाये एवं वरिष्ठ पटवारी पद को खत्म किया जाए। इसी के साथ पटवारी, भू अभिलेख निरीक्षक, नायब तहसीलदार तहसीलदार का कैडर पुनर्गठन किया जाकर आवश्यकतानुसार नवीन पद सृजित किया जाए। वहीं भू अभिलेख निरीक्षक पटवारी के पदों का फील्ड में नियम 13 अनुसार गठन किया जाये। इसी के साथ आर ए एस कैडर का रिव्यू करवाया जाकर, तहसीलदार से आर ए एस के जूनियर स्केल में रिक्त पदों को डी.पी.सी./ तदर्थ पदोन्नित से भरे जाने की हुई सहमति पर अमल किया जाए।

वहीं समझौते मे तय बिंदु के अनुरूप पटवारी व भू अभिलेख निरीक्षण से लिये स्थाई स्पष्ट स्थानान्तरण नीति बनाये जाने का निर्णय किया जाए।

राजस्थान राजस्व सेवा परिषद के तीनों संगठनों के पदाधिकारियों ने बताया कि 2021 में मुख्यमंत्री मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव, राजस्व मंत्री सहित अन्य स्तरों पर मांग पत्र प्रस्तुत किए गए और जब उनकी पालना नहीं हुई तो शिविरों का बहिष्कार किया गया था। उस समय सरकार की ओर से राजस्व सेवा परिषद के संगठनों के साथ में समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किए गए थे, लेकिन इतने महीने बीत जाने के बावजूद समझौता पत्र पर किसी प्रकार का कोई अमल नहीं करके सेवा परिषद की अनदेखी की जा रही है। ऐसे में हम सरकार को चेतावनी दे रहे हैं कि 15 दिनों के दौरान यदि पूर्व में किए गए समझौता पत्र पर हस्ताक्षर के अनुरूप समझौते लागू नहीं किए जाते हैं, तो राजस्थान राजस्व सेवा परिषद के तहत तमाम अधिकारी और कर्मचारी आंदोलन पर मजबूर होंगे और इसकी समस्त जिम्मेदारी भी सरकार की होगी।

प्रदेश के 17 जिलों में 100 नए करोना संक्रमित मिले

सबसे ज्यादा, 21 नए कोविड संक्रमित राजधानी जयपुर में मिले हैं

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 6 अप्रेल। राजस्थान में एक बार फिर करोना महामारी का खतरा बढ़ गया है। गुरूवार को प्रदेश के 17 जिलों में 100 नए संक्रमित मरीज मिले हैं, जबकि कोटा व बारां में एक-एक रोगी की मौत हुई है। कोविड पॉजिटिव मरीजों का यह आंकड़ा इस वर्ष में अब तक सबसे ज्यादा है।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक गुरूवार को सबसे ज्यादा 21 कोविड संक्रमित जयपुर जिले में मिले हैं, जबकि राजसमंद में 13 व जोधपुर में 10 रोगी सामने आये। इसी तरह बीकानेर में 9, अलवर, उदयपुर और चितौड़गढ़ में 7-7, पाली में 6, झालवाड़ में 4, सिरोही में 3 मरीज मिले है। इसी प्रकार कोटा, श्रीगंगानगर, बूंदी, जैसलमेर, बारां व अजमेर 2-2 तथा भीलवाड़ा में एक संक्रमित मरीज मिला है। चिकित्सा विभाग के मुताबिक, गुरूवार को प्रदेश में 37 कोविड रोगी रिकवर हुए। विभाग ने प्रदेशभर में 2517 लोगों के सैंपल लिए थे, इनमें से यह 100 मरीज सामने आए है। प्रदेश में फिलहाल 294 एक्टिव केस मौजूद हैं।

- **विभाग ने प्रदेश भर में 2517 लोगों के सैंपल लिए उनमें से 100 में करोना संक्रमण की पुष्टि हुई है। कोविड पॉज़िटिव मरीजों का इस वर्ष का यह आंकड़ा सर्वाधिक है।**
- **डॉक्टर्स का कहना है कि, कोविड के नए वेरिएंट का संक्रमण ओमक्रॉन से भी तेजी से फैल रहा है। ओमक्रॉन के लक्षण हल्के थे, पर इसमें तेज जुकाम, बुखार, खांसी के अलावा थकान व कमज़ोरी की शिकायत भी मिल रही है।**
- **कोटा व बारां में एक-एक कोविड मरीज की मौत होने की खबर भी मिली है।**

डॉक्टर्स के मुताबिक कोविड का नया वैरिएंट एक्सबीबी 1.16 की आर वैल्यू ज्यादा है। यानी इस वैरिएंट से संक्रमित मरीज के संपर्क में आने वाले दूसरे व्यक्ति भी जल्दी संक्रमित हो रहे हैं। इससे पहले जो ओमिक्रॉन के दूसरे वैरिएंट थे, वो इतनी तेजी से स्प्रेड नहीं हो रहे थे। उनमें बीमारी के लक्षण भी सामान्य से भी हल्के थे। अगर कोई मरीज संक्रमित हो भी रहा था तो उसे हल्के जुकाम-खांसी जैसे लक्षण दिख रहे थे। इस वैरिएंट की चपेट में आने वाले मरीजों में तेज जुकाम-बुखार, खांसी के अलावा शरीर में थकान और कमजोरी भी महसूस हो रही है।

जयपुर प्रथम सीएमएचओ डॉ. विजय सिंह फौजदार का कहना है कि, कोविड के बढ़ते मामलों को देखते हुए सभी अस्पतालों को टेस्टिंग बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। करोना संक्रमण को लेकर घबराने की आवश्यकता नहीं है, लेकिन लोगों को कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करना चाहिए, ताकि इससे बचा जा सके।

'मानसरोवर से मान्यावास की 100 फीट रोड 3 माह में बनाएं'

जयपुर, 6 अप्रैल (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने जेडीए को आदेश दिए हैं कि, मानसरोवर से मान्यावास जाने वाली सौ फीट चौड़ी रोड का निर्माण तीन माह में पूरा करें। इसके साथ ही अदालत ने रोड की चौड़ाई कम करने के खिलाफ पूरणमल सैनी द्वारा दायर याचिका को खारिज कर दिया है।

- **राजस्थान हाई कोर्ट ने जे.डी.ए. को यह आदेश देते हुए सड़क की चौड़ाई कम करने की मांग करने वाली याचिका को भी खारिज कर दिया।**

जस्टिस इन्द्रजीत सिंह ने अपने आदेश में कहा कि, रोड की चौड़ाई कम करने के संबंध में जेडीए की ओर से मांगी गई आपत्ति पर याचिकाकर्ता ने कोई कार्रवाई नहीं की। वहीं जे.डी.ए. द्वारा अभ्यावेदन को खारिज करने के खिलाफ याचिकाकर्ता को जेडीए कोर्ट में जाना चाहिए था।

याचिका में कहा गया था कि, जेडीए ने वर्ष 2012 में इस रोड की चौड़ाई दो सौ फीट से घटाकर सौ फीट कर दी।

इस दौरान रोड के सैंटर पॉइंट का ध्यान नहीं रखा गया कि, किस बिन्दु से रोड दोनों तरफ पचास-पचास फीट चौड़ी रहेगी।

'नौटंकीबाज कांग्रेस ने अडानी के थाली में परोसे थे बंदरगाह'

निर्मला सीतारमण ने आरोप लगाया कि, कांग्रेस की केरल सरकार ने विझिंजम पोर्ट बिना किसी टैंडर के अडानी को सौंप दिया था

नई दिल्ली, 6 मार्च। राहुल गांधी पर केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज जमकर निशाना साधा है। निर्मला ने कहा कि राहुल ने 2019 में पीएम मोदी को लेकर गलत बयानी की थी और कांग्रेस नेता एक बार फिर वही गलती दोहरा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अडानी मामले को लेकर राहुल गांधी और कांग्रेस ने संसद के बजट सत्र को चलने नहीं दिया, लेकिन वो खुद उनके फेवर में काम करते थे।

सीतारमण ने राहुल गांधी पर हमला बोलते हुए कहा कि अगर कांग्रेस नेता को लगता है कि अडानी को "ये सब चीजें" भाजपा ने दी हैं, तो यह सच नहीं है। सीतारमण ने कहा कि यह केरल की कांग्रेस सरकार थी, जिसने अडानी को विझिंजम पोर्ट थाली में परोस कर दिया था। यह किसी टेंडर के आधार पर नहीं दिया गया था। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी कई दफा झूठ बोलने के बाद माफी मांग चुके हैं। उन्होंने कहा कि अब एक बार फिर वो पीएम मोदी पर झूठे बयान देकर दिखा रहे हैं कि वो आदतन अपराधी हैं।

- **वित्त मंत्री सीतारमण ने राहुल गांधी को आदतन अपराधी करार दिया।**
- **सीतारमण ने कहा, राहुल गांधी ने कई विवादास्पद बयान दिये हैं और देते आ रहे हैं, उनके खिलाफ कई विवादास्पद मामले कोर्ट में विचाराधीन हैं। सीतारमण ने कहा, राहुल ने 2019 में राफेल डील के संदर्भ में गलत बयानी के बाद सार्वजनिक रूप से माफी मांगी थी।**

सीतारमण ने कहा कि 2019 में राफेल डील को लेकर लगाए गए आरोपों पर राहुल गांधी को सर्वोच्च न्यायालय में माफी मांगनी पड़ी थी। सीतारमण ने कहा, उससे पहले प्रधानमंत्री के खिलाफ जब गलत बयान दिया था, तब भी राहुल को लिखित माफीनामा देना पड़ा। आज राहुल बोल रहे हैं मैं गांधी हूं सावरकर नहीं। क्या उन्हें याद नहीं है कि उन्होंने कई दफा माफी मांगी है।

जज पत्नी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सहायक अभियोजन अधिकारी पद पर सेवारत हो गया। लेकिन अप्रार्थी व उसके परिजनों का व्यवहार उसके व बच्चों के प्रति सही नहीं रहा। बच्चों की परवारिश में भी उसने कोई जिम्मेदारी नहीं निभाई। इसलिए उसे दोनों बच्चों के लिए भरण पोषण राशि दिलवाई जाए। पति के अधिवक्ता डीएस शेखावत ने कहा कि प्रार्थी का स्वयं का वेतन ही दो लाख रुपए से ज्यादा है। उसने खुद ही तलाक का प्रार्थना पत्र दायर कर रखा है। वह खुद बच्चों का भरण-पोषण करने में सक्षम है। जबकि अप्रार्थी का वेतन 75 हजार रुपए है। इसलिए प्रार्थना पत्र खारिज किया जाए।

आठ करोड़ रु. का गबन

भुवनेश्वर, 6 अप्रैल (वार्ता)। भुवनेश्वर की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने बुधवार को कटक से एसबीआई के फूलबनी शाखा के डिप्टी मैनेजर आशुतोष आचार्य को आठ करोड़ रुपये से ज्यादा रकम की हेराफेरी के आरोप में गिरफ्तार किया। ईओडब्ल्यू

- **ओडिशा की अपराध शाखा ने कटक जिले की फुलबनी एस. बी.आई. ब्रांच के डिप्टी मैनेजर को गिरफ्तार किया है।**

सूत्रों ने गुरुवार को कहा कि आरोपी आशुतोष आचार्य को आईपीसी की धारा 409/420/467/ 468/471/ 120-बी, आईटी अधिनियम की धारा 66 (सी) के अंतर्गत गिरफ्तार किया गया है। भारतीय स्टेट बैंक, आरबीओ, फूलबनी के क्षेत्रीय प्रबंधक की शिकायत के आधार पर भारतीय स्टेट बैंक, फूलबनी शाखा के उप प्रबंधक-सह-फील्ड अधिकारी आशुतोष आचार्य के खिलाफ 59 एक्सप्रेस क्रेडिट लोन और 26 पेंशन ऋणों की अवैध रूप से सिफारिश करने और उसे प्रक्रिया में लाने के आरोप में मामला दर्ज किया गया था।

नाबालिग से...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अभियुक्त ने नाबालिग पीड़िता के साथ दुष्कर्म कर न केवल उसे शारीरिक रूप से क्षति पहुंचाई है, बल्कि उसको मानसिक वेदना भी दी है। ऐसे में अभियुक्त के प्रति नरमी का रुख नहीं अपनाया जा सकता।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक रचना मान ने अदालत को बताया कि, पीड़िता अपनी सहेली के जरिए अभियुक्त के संपर्क में आई थी। इस दौरान अभियुक्त ने उसे अपने झांसे में ले लिया। वर्ष 2021-2022 के बीच अभियुक्त उसे आए दिन स्कूल से बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाता और कानोता थाना इलाके में दुष्कर्म करता।

इसी बीच पेट दर्द और अत्यधिक रक्तस्राव होने पर परिजनों ने पीड़िता को अस्पताल में भर्ती कराया। जहां पता चला कि, पीड़िता गर्भवती है। तब पीड़िता ने परिजनों को अपने साथ हुई घटना की जानकारी दी। पीड़ित पक्ष की ओर से थाने में एफ.आई.आर. दर्ज कराई गई। जिस पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया। ट्रायल के दौरान अभियुक्त की ओर से कहा गया कि, उसे इस प्रकरण में फंसाया गया है।

मामले में एफआईआर भी देरी से दर्ज कराई गई है और अभियोजन पक्ष के पास उसके खिलाफ कोई ठोस साक्ष्य भी नहीं हैं। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने गवाहों और चिकित्सकीय साक्ष्य के आधार पर अभियुक्त को बीस साल की सजा और जुर्माने से दंडित किया।

तुष्टिकरण...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राठौड़ ने कहा कि एक ओर गहलोत सरकार पीएफआई जैसे अलगावावादी संगठनों को रैली निकालने की अनुमति देती है वहीं दूसरी ओर हिंदू नववर्ष, होली, कांवड़ यात्रा, हनुमान जयंती सहित अन्य त्योहारों पर धार्मिक सद्भाव बिगड़ने की बात करके जबरन प्रतिबंध लगाती है।

इस "डिज़ाइन बॉक्स" एजेन्सी का मालिक...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हरियाणा में वरिष्ठ नेता भूपिंदर सिंह हूडा ने भी डिजाइन बॉक्स की सेवाएं ली पर यहाँ भी कांग्रेस मात्र 30 सीटें ही जीत पाई।

असम में कांग्रेस ने विधानसभा चुनाव में डिजाइन बॉक्स की सेवाएं ली थी पर वहाँ भी कांग्रेस हार गई और भाजपा दोबारा सत्तारूढ़ हो गई।

अब डी.के. शिव कुमार अपना भाग्य आजमा रहे हैं, हालांकि कर्नाटक में सिद्धारमैया सबके प्रिय हैं।

अगली परीक्षा की घड़ी राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की है, उन्होंने भी विधानसभा चुनाव के लिए डिजाइन बॉक्स की सेवाएं ली हैं।

जहाँ यह सर्वविदित है कि गहलोत जब भी मुख्यमंत्री रहे वे कांग्रेस को जीत नहीं दिला पाए और इस बार तो यह भी कहा जा रहा है कि अगर वे मुख्यमंत्री बने रहे तो कांग्रेस अपना सबसे खराब प्रदर्शन करेगी।

- **आसाम के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने "डिज़ाइन बॉक्स" को जिम्मेदारी दी थी, विधानसभा चुनावों में, पर वहां भी पार्टी चुनाव हारी तथा भाजपा ने दोबारा सरकार बनायी।**
- **ऐसा कहा जाता है, गहलोत के विश्वासी पवन खेड़ा ने गहलोत को "डिज़ाइन बॉक्स" से मिलाया था।**
- **पर कांग्रेस में, दिल्ली में यह चर्चा का विषय है कि, लगातार असफलताओं के बावजूद "डिज़ाइन बॉक्स" को नये ग्राहक कैसे मिले हैं।**

कांग्रेस के सूत्रों का कहना है कि पवन खेड़ा जिन्हें गहलोत का बड़ा समर्थक माना जाता है, ने ही गहलोत को डिजाइन बॉक्स से अनुबंध करने के लिए तैयार किया है। और कहा जा रहा है कि डी.के. शिव कुमार को भी इसके लिए पवन खेड़ा ने ही तैयार किया है। अभी तक यह नहीं पता है कि डिजाइन बॉक्स का मालिक कौन है लेकिन कहा जाता है कि वह चंडीगढ़ का कोई पंजाबी है

लेकिन, सवाल यह है कि कंपनी जो हर काम में असफल रही है उसको अभी भी इतने महंगे कॉन्ट्रैक्ट क्यों मिल रहे हैं। क्या यह कांग्रेस की अंदरूनी कारस्तानी है?

नैशनल पार्टी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

देने में देरी कर रहा है।

राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा मिलने के कई फायदे हैं, जैसे पार्टी कार्यालय के लिए मुफ्त जमीन या भवन मिलना, पार्टी का विशिष्ट चुनाव चिन्ह, जिसे पूरे देश में कोई अन्य पार्टी प्रयुक्त नहीं कर सकती है।

आप ने चुनाव आयोग के समक्ष मैमोरैंडम भेजा है कि उसे राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा दिया जाए।

पर अभी तक चुनाव आयोग का जवाब नहीं आया है। अब आप ने चुनाव आयोग की कथित देरी के खिलाफ कर्नाटक हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है।

आप दिल्ली और पंजाब में सत्तारूढ़ पार्टी है तथा गोवा में 6 प्रतिशत वोट भागीदारी के साथ इसके दो विधायक हैं। गुजरात में इसके 5 विधायक हैं जहां इसने 14 प्रतिशत वोट लिए हैं।

भाजपा कश्मीर में चुनाव के लिए तैयार

श्रीनगर, 6 अप्रैल (वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के जम्मू कश्मीर इकाई के महासचिव अशोक कौल ने गुरुवार को कहा कि पार्टी राज्य में चुनाव लड़ने के लिए पूरी तरह तैयार है।

कौल ने मध्य कश्मीर के बडगाम जिले में भाजपा के 44वें स्थापना दिवस समारोह के दौरान मीडियाकर्मियों से कहा कि जब भी भारत का चुनाव आयोग तारीख की घोषणा करेगा, भाजपा जम्मू कश्मीर में चुनाव लड़ने के लिए पूरी तरह से तैयार है। जम्मू-कश्मीर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के कार्यकर्ताओं को द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) की ओर से हाल ही में दी गई कथित धमकियों के बारे में कौल ने कहा कि इस तरह की धमकियां अक्सर आती हैं।

'भाजपा नेताओं के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भाजपा शासन से अप्रसन्न नहीं है। जो बात उन्होंने अनकही छोड़ दी थी कि भाजपा फिल्म स्टारों की ताकत पर आश्रित होने के लिये मजबूर हो गई है क्योंकि उसके किसी भी नेता का राज्य में प्रभाव नहीं है, उस बात को कांग्रेस के पूर्व सांसद तथा पूर्व संचार प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कह दिया। उन्होंने कहा कि चूंकि लोग अब मुख्यमंत्री बोम्मई एवं अन्य नेताओं के भाषण सुनने नहीं आ रहे, भाजपा को भीड़ इकट्ठा करने के लिये अब फिल्म स्टारों पर भरोसा करना पड़ रहा है। वे भाजपा प्रचारक के रूप में कन्नड़ सुपर स्टार किचा सुदेश के प्रवेश पर टिप्पणी कर रहे थे। एक अन्य नेता ने कहा कि यह इस बात का साफ संकेत है कि भाजपा अपनी संभावनाओं को लेकर आश्वस्त नहीं है तथा इसलिये वह अपने प्रचार को ताकत देने के लिये फिल्म स्टारों की तरफ भाग रही है। यहाँ तक कि प्रधानमंत्री की मौजूदगी भी पार्टी की मदद नहीं कर पा रही है क्योंकि लोग बासवराज बोम्मई सरकार से निराश हो गये है तथा वे विकल्प की तलाश में हैं।

शिव कुमार ने भाजपा द्वारा सोच समझकर किये शोर-शराबे को कोई महत्व न देते हुये कहा कि सड़क का आम आदमी सरकार के कुछ न करने से उकता गया है तथा बड़ी उम्मीद और अग्रिम भरोसे के साथ कांग्रेस की ओर देख रहा है। एक ऐसे व्यक्ति के रूप में, जिसने पूर्व से पश्चिम तथा उत्तर से दक्षिण तक राज्य के अनेक दौरे किये हैं तथा आम आदमी की बात सुनी है, शिव कुमार ने कहा, "आप राज्य के किसी भी व्यक्ति से बात कीजिये, ज्यादा संभावनाएं इसी बात की हैं कि आपको केवल निराशा की कहानियाँ ही सुनने को मिलेंगी। जबरदस्त सत्ता-विरोधी लहर है तथा लोग बदलाव की तलाश में हैं।"

कुछ ओपिनियन पोल सर्वेक्षणों, जो इस समय चर्चा में हैं, के अनुसार, 2018 की ही तरह एक बार फिर त्रिशंकु विधानसभा होगी तथा एच.डी. देवगोड़ा तथा कुमारास्वामी का जनता दल (सेकूलर) किंग मेकर के रूप में उभरेगी।

लेकिन शिव कुमार ने ऐसी चर्चाओं को खारिज करते हुये, घोषणा की कि, "कांग्रेस को 140 से अधिक सीटों का सुविधाजनक बहुमत मिलेगा तथा किसी अन्य दल की सहायता के बिना अपनी सरकार बनायेगी। जैसा कि जनता ने तय कर लिया है, हमें समर्थन के लिये किसी के पास जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।"

कांग्रेस नेता ने कहा कि पार्टी 224 में से 141 सीटें जीतेगी, तथा इसमें अचरज जैसी कोई बात नहीं है। शिव कुमार ने कहा, "इस समय हम पूरे संकल्पित हैं तथा कांग्रेस को जिताने की दिशा में काम कर रहे हैं तथा उम्मीदवारों का चयन पूरी तरह से उनकी जीत की संभावना के आधार पर किया जा रहा है।" उन्होंने आगे कहा कि "नेतृत्व या मुख्यमंत्री पद को लेकर पार्टी के अंदर कोई अनबन या दरार नहीं है। इस समय पूरा ध्यान जीत पर है। एक प्रश्न यह कि मुख्यमंत्री कौन बने, पर पार्टी परिणामों के बाद विचार करेगी।"

यह कोई छिपी हुई बात नहीं है कि शिव कुमार तथा कांग्रेस के एक अन्य दिग्गज नेता तथा पूर्व मुख्यमंत्री एस. सिद्धारमैया- दोनों ही मुख्यमंत्री बनने के आकांक्षी हैं और कांग्रेस के समक्ष यही परेशानी है कि वे पार्टी को दो भिन्न दिशाओं मे खींचेंगे।

मुख्यमंत्री बनने की अपनी महत्वाकांक्षा से इंकार करते हुये, शिव कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री बनने की महत्वाकांक्षा उनकी भी है। महत्वाकांक्षा रखना कुछ गलत भी नहीं है। लेकिन मुख्यमंत्री कौन बनेगा, यहएक ऐसी चीज है जिस पर हाईकमान उचित समय पर निर्णय लेगा तथा यह समय तो हर व्यक्ति के लिये पार्टी की जीत के लिये काम करने का है।

इसे कांग्रेस का सौभाग्य ही कहा जायेगा कि दूसरे नेता तथा कांग्रेस के डबल इंजन के एक इंजन सिद्धारमैया ने भी एक जनसभा में इसी प्रकार के भाव व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि "कांग्रेस तथा अन्य पार्टियों में यही फर्क है कि कांग्रेस में कार्यकर्ताओं और नेताओं के विचारों की अभिव्यक्ति की पूरी स्वतंत्रता है।"

ए.के. एन्टनी के पुत्र भाजपा में शामिल...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जाये। सूत्रों ने कहा कि इस कदम का महत्व राजनैतिक होने से कहीं ज्यादा, समाचारों की सुर्खियाँ से है। उनके भाजपा में शामिल होने से भाजपा को न तो केरल में कोई मदद मिलनी है और न राष्ट्रीय स्तर पर, यह केवल वाद-विवाद का विषय बनेगी, जिसका उद्देश्य मात्र राहुल गांधी की छवि को खराब करना होगा।

सूत्रों ने कहा कि जिस समय उनके पिता रक्षा मंत्री थे, तब कई लॉबीइस्टों ने उन्हें अपनी ओर खींचने की कोशिश की थी इसलिए वे ए.के. एन्टनी की ईमानदारी एवं सच्चाई से कुंठित और निराश रहते थे।

अनिल एन्टनी, जो केरल कांग्रेस के नेता थे, ने 2002 के गुजरात दंगों और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर आई.बी.बी.सी. की डॉक्यूमैन्ट्री संबंधी विवाद के बाद, जनवरी में कांग्रेस छोड़ दी थी।

भाजपा नेता पीयूष गोयल, वी. मुरलीधरन तथा पार्टी की केरल इकाई के अध्यक्ष के. सुरेन्द्र ने आज एक औपचारिक समारोह में उनका भाजपा में स्वागत किया।

अनिल एन्टनी ने आज पत्रकारों से कहा, "कांग्रेस का हर कार्यकर्ता इस बात को जानता है कि वह एक परिवार के लिये काम कर रहा है। लेकिन मेरा मानना है कि वह एक परिवार के लिये काम कर रहा हूँ।" उन्होंने कहा, "इस बहु-ध्रुवीय दुनिया में भारत को अग्रणी स्थान पर लाने के बारे में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का बहुत ही स्पष्ट सोच हो।"

कांग्रेस छोड़ने से पहले, अनिल एन्टनी केरल में कांग्रेस का सोशल मीडिया प्रकोष्ठ चलाते थे। पार्टी छोड़ने से पहले, उन्होंने बी.बी.सी. डॉक्यूमैन्ट्री को "भारत के खिलाफ पूर्वाग्रह युक्त" बताया था। कांग्रेस ने कहा था कि यह डॉक्यूमैन्ट्री मोदी पर प्रहार करने वाली है तथा मोदी पर आरोप लगाया था कि वे भारतीय राजनीति में विपक्ष की गुंजाइश को कम करने की सुनियोजित कार्यवाही को अंजाम दे रहे हैं।

भाजपा नेता पीयूष गोयल ने आज पत्रकारों को बताया "अनिल एन्टनी बहुमुखी प्रतिभा के धनी हैं। जब मैंने अनिल एन्टनी की विश्वसनीयता को जांचा-परखा तो मैं (उनसे) बहुत प्रभावित हुआ।"

गोयल ने कहा, "उनके विचार, स्थाई विकास से संबंधित प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विचारों से बहुत मिलते जुलते हैं।....."हमें विश्वास है कि वे सक्रिय भूमिका निभाते हुये, दक्षिण भारत में भाजपा के पैर जमाने में मदद करेंगे।"

- **भाजपा में शामिल होने से पहले अनिल एन्टनी ने कहा, कांग्रेस पार्टी के लोग एक परिवार की सेवा में लगे रहते हैं, पर मैं देश की सेवा करना चाहता हूँ।**

अनिल एन्टनी का भाजपा में शामिल होना कांग्रेस के लिये एक धक्का है क्योंकि उनके पिता कांग्रेस के पुराने एवं निष्ठावान नेता हैं जो जो देश के रक्षा मंत्री भी रह चुके हैं। कांग्रेस ने कहा है कि अनिल एन्टनी ने अपने पिता के साथ विश्वासघात किया है तथा आज के दिन को "विश्वासघात दिवस" कहा है।

भाजपा में शामिल होने के औपचारिक अवसर पर, अनिल एन्टनी ने कहा कि वे मानते हैं कि उन्होंने सही कदम उठाया है।

जब पत्रकारों ने अनिल एन्टनी से पूछा कि, क्या यह कदम उठाने से पहले, उन्होंने अपने पिता से विचार-विमर्श किया था, तो उन्होंने कहा, "इस कदम का संबंध व्यक्तित्वों से नहीं है, विचारों और मतों से संबंधित है। मेरी दृढ़ मान्यता है कि मैंने सही कदम उठाया है। मेरे पिता के प्रति मेरा सम्मान वैसा ही रहेगा।"

भाजपा को उम्मीद है कि अनिल एन्टनी केरल में उसकी मौजूदगी का विस्तार करेंगे तथा और बड़े जनाधार, खासतौर से ईसाइयों का समर्थन हासिल करेंगे। भाजपा केरल में वामपंथ के गढ़ को प्रभावी रूप से तोड़ नहीं पाई है तथा वामपंथियों को उसका कोई डर नहीं है। अनिल एन्टनी ने स्टैनफर्ड यूनिवर्सिटी से एम.एस.सी. तथा इंजीनियरिंग कॉलेज, त्रिवेन्द्रम से बी टैक किया था।

'मेरे पुत्र...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की वह कहा कि "वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व कौशल से प्रभावित है। उन्होने वर्ष 2002 में गुजरात दंगों पर बनी बी.बी.सी. की डॉक्युमैंट्री के बाद जनवरी में ही कांग्रेस छोड़ दी थी।"

उन्होने कहा कि हरेक कांग्रेसी कार्यकर्ता मानता है कि वह एक परिवार के लिए काम करता है। लेकिन मैं मानता हूँ कि मैं देश के लिए काम कर रहा हूँ। प्रधानमंत्री मोदी का बहु ध्रुवीय विश्व में भारत को आगे ले जाने का एक स्पष्ट विचार है।"

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908